राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार,
कला संस्कृति एवं भाषा विभाग,
सी-विंग , सातवां तल, आई पी एस्टेट, दिल्ली सचिवालय,
नई दिल्ली

फा.स. 6(30)/2018/क.स.एवं भा./ 4045 **दिनांक:** 03/8/18

सेवा में,

उप सचिव (प्रश्न शाखा),
दिल्ली विधान सभा सचिवालय,
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार,
पुराना सचिवालय, दिल्ली -110054

विषय: दिनांक 06.08.2018 को उत्तर के लिए श्री सुरेंद्र सिंह द्वारा उठाया गया विधान सभा तारांकित प्रश्न स. 08 ।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर प्रश्न शाखा, दिल्ली विधान सभा का पत्र इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है । **श्री सुरेंद्र सिंह माननीय सदस्य विधान सभा** द्वारा किये गए विधान सभा **तारांकित प्रश्न संख्या 08** के संदर्भ में मांगी गई सूचना एवं उत्तर संलग्न है ।

माननीय उप-मुख्यमंत्री व् मंत्री (कला संस्कृति एवं भाषा) की पूर्व अनुमति अनुसार उचित कार्यवाही हेतु आपको अग्रसारित किया जा रहा है ।

भवदीय

(मधु बाला शर्मा)
उप- नियंत्रक लेखा / कार्यालयाध्यक्ष (क.स.एवं भा.)
दूरभाष: 23392307

संलग्न: उपरोक्तानुसार (100 प्रतियां)
फा.स. 6(30)/2018/क.स.एवं भा./ **दिनांक:**

प्रतिलिपि:

1. विशेष कार्य अधिकारी, कार्यालय उप-मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली -110002
2. निदेशक, सूचना एवं प्रचार निदेशालय , पुराना सचिवालय, ब्लॉक-9, दिल्ली-110054 - **तारांकित प्रश्न संख्या 08** के संदर्भ में मांगी गई सूचना एवं उत्तर **की 150 प्रतियां** संलग्न है

(मधु बाला शर्मा)
उप- नियंत्रक लेखा / कार्यालयाध्यक्ष (क.स.एवं भा.)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार,
कला संस्कृति एवं भाषा विभाग,
सी-विंग , सातवां तल, आई पी एस्टेट, दिल्ली सचिवालय,
नई दिल्ली

तारांकित प्रश्न स. : **08**
दिनांक : **06.08.2018**
प्रश्नकर्ता का नाम : **श्री सुरेंद्र सिंह, माननीय सदस्य विधान सभा**

क्या उपमुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

प्रश्न संख्या 08	**तारांकित प्रश्न**	**कार्यालय में उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर उत्तर**
(क)	क्या यह सत्य है कि दिल्ली विधान सभा में कई माननीय विधायकों ने स्थानीय भाषा एवं कलाकारों के विकास हेतु हरियाणवी भाषा की अकादमी बनाने की मांग की है ।	दिल्ली सरकार विभिन्न भारतीय भाषाओं की अकादमियों की स्थापना कर रही है जिसका प्रस्ताव यथाशीघ्र कैबिनेट के पास स्वीकृति के लिये भेजा जाना है इसमें हरियाणी भाषा की अकादमी भी शामिल है तथापि हरियाणवी भाषा की अकादमी बनाने के संबंध में माननीय विधायकों के द्वारा इस कार्यालय में कोई पत्र उपलब्ध नहीं है।
(ख)	यदि हाँ, तो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाये गए हैं; और	लागू नहीं।
(ग)	इस अकादमी का गठन कब तक कर लिया जायेगा	विचाराधीन है।

रिंकू दुग्गा

(रिंकू दुग्गा)
सचिव (कला, संस्कृति एवं भाषा)

अनुपूरक सामग्री

दिल्ली सरकार विभिन्न भारतीय भाषाओं की अकादमियों की स्थापना कर रही है जिसका प्रस्ताव यथाशीघ्र कैबिनेट के पास स्वीकृति के लिये भेजा जाना है इनके नाम इस प्रकार हैं :

1. बंगाली
2. मराठी
3. गुजराती
4. तमिल
5. तेलुगु
6. मलयालम
7. कन्नड़
8. उड़िया
9. असमी
10. कश्मीरी
11. मारवाड़ी
12. कुमाऊनी..गढ़वाली और जौनसारी
13. पाली और प्राकृत
14. हरियाणवी
15. इंटरनेशनल अकादमी ऑफ़ दिल्ली

अकादमी खोलने की आवश्यकता

दिल्ली एक विविधतापूर्ण शहर है जहां देश के सभी हिस्सों के लोग रहते हैं और इसमें विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान वाली हरियाणवी बोलने वाली आबादी है। इस भाषा की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है और भारतीय साहित्य में इन महान कवियों और लेखकों का योगदान है। दिल्ली में इस भाषा को बोलने वाली बहुत बड़ी आबादी है और इस दृष्टि से हरियाणवी भाषा को पूरा सहयोग और समर्थन मिलना चाहिए । इस भाषा के सांस्कृतिक आयामों ने पिछले कुछ समय से दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है और परिणामस्वरूप यह भाषा दिल्ली की सांस्कृतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है । इस पृष्ठभूमि में इस भाषा के लिए एक अलग भाषा अकादमी बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

अकादमी की स्थापना:

(i) अकादमी के नियम और उपनियम उसी प्रकार बनाये जायेंगे जैसा कि अन्य भाषा अकादमियों के लिए बनाये गए है । इस अकादमी के लिए एक उपयुक्त स्थान की पहचान की जाएगी। अकादमी के अध्यक्ष द्वारा यथासमय शासी निकाय का गठन किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री का निर्णय है कि माननीय मंत्री (कला संस्कृति एवं भाषा), हरियाणवी अकादमी के अध्यक्ष होंगे।

(ii) इस भाषा अकादमी को अनुदान सहायता कला, संस्कृति और भाषाओं विभाग के माध्यम से दी जाएगी। इस भाषा अकादमी में अनुदान सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अलग उप-लेखा शीर्ष बनाए जाएंगे। आने वाले बजट में इस शीर्ष के तहत एक टोकन प्रावधान भी रखा जाएगा।

<u>नयी अकादमी कि लिए स्टाफ की व्यवस्था</u>

क्र.सं	क्र.सं पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	मासिक व्यय
1.	सचिव	15600-39100 + G.P. 6600 (पूर्व संशोधित	1	1 x 87040 x 12= 1044480 + भत्ता
2.	अधीक्षक	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित	1	1 x 60928 x 12= 731136 + भत्ता
3.	लेखाधिकारी	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित)	1 (एक लेखा अधिकारी की सेवाओं का उपयोग दो से अधिक अकादमियों में किया जाएगा)	1 x 67928 x 12= 815616 + भत्ता
4.	कार्यक्रम अधिकारी	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित)	1	1 x 60928 x 12= 731136 + भत्ता
5.	उच्च श्रेणी लिपिक	5200-20200 + G.P. 2400 (पूर्व संशोधित)	1	1 x 32640 x 12= 391680 + भत्ता

6.	अवर श्रेणी लिपिक	5200-20200 + G.P. 1900 (पूर्व संशोधित)	2	2 X 28672 X12 = 688128 + Allowances
7.	एम्.टी.एस./चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	आउटसोर्स आधार पर	4	25000 X 4 X 12 = 1200000 + भत्ता
		Total	**11**	**Rs. 5602176/-**

नई अकादमी के लिए प्रस्तावित प्रारम्भिक बजट:

पूँजी : शून्य

राजस्व : सामान्य: 95.00 लाख

वेतन 56.00 लाख

योजनावार बजट अनुमान नीचे दिए गए हैं:

(i) भाषाई संस्कृति का प्रचार **20.00 लाख**

(ii) भाषाई साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन/ प्रसार **20.00 लाख**

(iii) पुस्तकें / पत्रिकाओं का प्रकाशन **05.00 लाख**

(iv) स्वदेशी भाषाई विकास कार्यक्रम **20.00 लाख**

(v) भाषा के संवर्धन के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम **10.00 लाख**

(vi) लेखकों / कलाकारों / पत्रकारों और अन्य

भाषाई सांस्कृतिक बढ़ावा देने वालों को प्रोत्साहन **20.00 लाख**

कुल = 95.00 लाख (लगभग)

<u>वित्तीय प्रभाव:</u>

150.00 लाख रुपये की राशि एक वित्तीय वर्ष कि लिए निश्चित है; अगले छह महीने हरियाणवी अकादमी की तैयारी में व्यतीत होंगे इसमें शासी निकाय का गठन शामिल है, इसलिए, शेष अवधि (तीन महीने लगभग) के लिए अनुमानित राशि 150 * 3/12 = 37.50 लाख होगी।

इसलिए, पहले वर्ष के लिए कुल वित्तीय प्रभाव लगभग रुपये 37.50 लाख होगा ।

अनुपूरक सामग्री

दिल्ली सरकार विभिन्न भारतीय भाषाओं की अकादमियों की स्थापना कर रही है जिसका प्रस्ताव यथाशीघ्र कैबिनेट के पास स्वीकृति के लिये भेजा जाना है इनके नाम इस प्रकार हैं :

1. बंगाली
2. मराठी
3. गुजराती
4. तमिल
5. तेलुगु
6. मलयालम
7. कन्नड़
8. उड़िया
9. असमी
10. कश्मीरी
11. मारवाड़ी
12. कुमाऊनी, गढ़वाली और जौनसारी
13. पाली और प्राकृत
14. हरियाणवी
15. इंटरनेशनल अकादमी ऑफ़ दिल्ली

अकादमी खोलने की आवश्यकता

दिल्ली एक विविधतापूर्ण शहर है जहां देश के सभी हिस्सों के लोग रहते हैं और इसमें विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान वाली हरियाणवी बोलने वाली आबादी है। इस भाषा की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है और भारतीय साहित्य में इन महान कवियों और लेखकों का योगदान है। दिल्ली में इस भाषा को बोलने वाली बहुत बड़ी आबादी है और इस दृष्टि से हरियाणवी भाषा को पूरा सहयोग और समर्थन मिलना चाहिए । इस भाषा के सांस्कृतिक आयामों ने पिछले कुछ समय से दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत, को समृद्ध किया है और परिणामस्वरूप यह भाषा दिल्ली की सांस्कृतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है । इस पृष्ठभूमि में इस भाषा के लिए एक अलग भाषा अकादमी बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

अकादमी की स्थापना:

(i) अकादमी के नियम और उपनियम उसी प्रकार बनाये जायेंगे जैसा कि अन्य भाषा अकादमियों के लिए बनाये गए है । इस अकादमी के लिए एक उपयुक्त स्थान की पहचान की जाएगी। अकादमी के अध्यक्ष द्वारा यथासमय शासी निकाय का गठन किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री का निर्णय है कि माननीय मंत्री, (कला संस्कृति एवं भाषा), हरियाणवी अकादमी के अध्यक्ष होंगे।

(ii) इस भाषा अकादमी को अनुदान सहायता कला, संस्कृति और भाषाओं विभाग के माध्यम से दी जाएगी। इस भाषा अकादमी में अनुदान सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अलग उप-लेखा शीर्ष बनाए जाएंगे। आने वाले बजट में इस शीर्ष के तहत एक टोकन प्रावधान भी रखा जाएगा।

<u>नयी अकादमी कि लिए स्टाफ की व्यवस्था</u>

क्र.सं	क्र.सं पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	मासिक व्यय
1.	सचिव	15600-39100 + G.P. 6600 (पूर्व संशोधित	1	1 x 87040 x 12=1044480 + भत्ता
2.	अधीक्षक	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित	1	1 x 60928 x 12=731136 + भत्ता
3.	लेखाधिकारी	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित)	1 (एक लेखा अधिकारी की सेवाओं का उपयोग दो से अधिक अकादमियों में किया जाएगा)	1 x 67928 x 12=815616 + भत्ता
4.	कार्यक्रम अधिकारी	9300-34800 + G.P. 4800 (पूर्व संशोधित)	1	1 x 60928 x 12=731136 + भत्ता
5.	उच्च श्रेणी लिपिक	5200-20200 + G.P. 2400 (पूर्व संशोधित)	1	1 x 32640 x 12=391680 + भत्ता

6.	अवर श्रेणी लिपिक	5200-20200 + G.P. 1900 (पूर्व संशोधित)	2	2 X 28672 X12 = 688128 + Allowances
7.	एम्.टी.एस./चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	आउटसोर्स आधार पर	4	25000 X 4 X 12 = 1200000 + भत्ता
		Total	**11**	**Rs.5602176/-**

नई अकादमी के लिए प्रस्तावित प्रारम्भिक बजट:

पूँजी : शून्य

राजस्व : सामान्य: 95.00 लाख

वेतन 56.00 लाख

योजनावार बजट अनुमान नीचे दिए गए हैं:

(i) भाषाई संस्कृति का प्रचार **20.00 लाख**

(ii) भाषाई साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन/ प्रसार **20.00 लाख**

(iii) पुस्तकें / पत्रिकाओं का प्रकाशन **05.00 लाख**

(iv) स्वदेशी भाषाई विकास कार्यक्रम **20.00 लाख**

(v) भाषा के संवर्धन के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम **10.00 लाख**

(vi) लेखकों / कलाकारों / पत्रकारों और अन्य

भाषाई सांस्कृतिक बढ़ावा देने वालों को प्रोत्साहन **20.00 लाख**

कुल = 95.00 लाख (लगभग)

<u>वित्तीय प्रभाव:</u>

150.00 लाख रुपये की राशि एक वित्तीय वर्ष कि लिए निश्चित है; अगले छह महीने हरियाणवी अकादमी की तैयारी में व्यतीत होंगे इसमें शासी निकाय का गठन शामिल है, इसलिए, शेष अवधि (तीन महीने लगभग) के लिए अनुमानित राशि 150 * 3/12 = 37.50 लाख होगी।

इसलिए, पहले वर्ष के लिए कुल वित्तीय प्रभाव लगभग रुपये 37.50 लाख होगा ।